# भारतीय रेल्वे मजदूर संघ

(संलग्न - भा. म. संघ व स. क. रा. प.)

## तेरहवां त्रैवार्षिक अधिवेशन

दि. 30 सित. तथा 01 अक्टू., 2001

: स्थल :

राजर्षि टंडन मण्डपम्, प्रयागराज

(इलाहाबाद)

## महामंत्री का प्रतिवेदन


प्रधान कार्यालय

33, मोती भुवन, दूसरी मंजिल, डॉ. डिसिल्वा रोड,

दादर (प.), मुंबई - 400 028.

फोन : 422 4084

# प्रस्तावना

**आदरणीय अध्यक्ष महोदय, श्रध्देय ठेंगडीजी, प्रतिष्ठित अतिथिगण, भारतीय मजदूर संघ के नेतागण, केन्द्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी तथा उपस्थित प्रिय प्रतिनिधि भाइयों और बहनों,**

भारतीय रेल्वे मजदूर संघ के 13वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में आप सबका स्वागत करते हुए मुझे अत्यन्त गर्व की अनुभूति हो रही है । इस शुभ अवसर पर आप सबको मेरा सादर प्रणाम ।

यह अधिवेशन राजनैतिक एवं धार्मिक महत्व की पवित्र नगरी प्रयाग (इलाहाबाद) में सम्पन्न हो रहा है । इस पुण्य नगर का नाम हम प्रतिदिन "प्रातःस्मरण" में याद करते हैं । यह हम सबकी दृढ़ धारणा है कि "त्रिवेणी संगम" में डुबकी लगाने मात्र से ही हमारी आत्मा को आवागमन से मुक्ति मिल जाती है । हमारा यह अधिवेशन रेल कर्मचारियों का 'महाकुंभ' है, जिसमें भाग लेना पवित्र डुबकी के समान है जो हमें एक नयी उर्जा एवं नयी शक्ति प्रदान करेगा ।

इस पवित्र भूमि पर महामंत्री के रूप में प्रथम कार्यवृत्त प्रस्तुत करते हुए मैं स्वयं को सम्मानित महसूस कर रहा हूं ।

गत् बार हम 12 एवं 13 अक्टूबर, 1998 को मुंबई में मिले थे । वह भेंट बीसवीं शताब्दी की अन्तिम भेंट थी और अब यह इक्कीसवीं शताब्दी की प्रथ भेंट है ।

प्यारे भाइयों और बहनो, इस कालखण्ड में केवल बीसवीं से इक्कीसवीं शताब्दी में परिवर्तन ही नहीं हुआ अपितु हमारे देश की राजनैतिक, सामाजिक तथा आर्थिक स्थिति में भी कई बदलाव आये हैं । आर्थिक सुधार के नाम पर श्री. पी. वी. नरसिंहराव की सरकार ने आर्थिक नीति की घोषणा की और लागू किया था, जिसे देश की जनता ने नकार दिया और सरकार को ही बदल दिया । किन्तु दुर्भाग्य से वर्तमान सरकार उसी आर्थिक नीति को जारी रखते हुए सार्वजनिक क्षेत्र को निजीकरण करने में बढ़ावा दे रही है । बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में घुसपैठ की अनुमति दे दी गयी है । विश्व बैंक अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व व्यापार संगठन हमारी राष्ट्रीय नीतियों को संचालित करने की कोशिश में लगे हैं ।

सार्वजनिक क्षेत्र के सभी संस्थानों का तेजी से निजीकरण करने की दिशा में सरकार प्रयत्नशील है । दूर संचार विभाग को कार्पोरेशन (निगम) में परिवर्तित कर दिया गया है और उसे निजी उद्यमियों के हाथों में सौंपने की तैयारी चल रही है । प्रतिरक्षा क्षेत्र में विदेशों से सीधे निवेश की नीति में सरकार सुधार कर रही है । बाल्को, माडर्नफूड जैसे उद्यमों को कौडियों के भाव निजी हाथों में सौंप दिया गया है ।

सरकार श्रम कानूनों में परिवर्तन करना चाहती है ताकि बहुराष्ट्रीय कम्पनियां अपने प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को जब चाहें निकाल सकें तथा अनुबन्धो के आधार पर अस्थाई मजदूरी प्रथा को लागू किया जा सके। तमाम समितियों का गठन सरकारी विभागों को समाप्त करने के षडयन्त्र का एक हिस्सा ही है। इन समितियों की सिफारिशें पूर्व निर्धारित निर्णयों के अनुरुप ही होती है। सरकारी विभागों में अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखने के लिए गठित "गीता कृष्णन् कमेटी" ने सरकारी कर्मचारियों की संख्या में अधिकाधिक कटौती की सिफारिश की है। श्रम कानूनों को सरल बनाने तथा मजदूरों की नियुक्ति में अस्थाई रूप से ठेकेदारी पध्दति को बढ़ावा देने के साथ ही रोजगार के अवसर तलाशने हेतु टास्कफोर्स गठित करने की सिफारिश भी इस कमेटी ने की है।

भारतीय मजदूर संघ सरकार की इस आर्थिक नीति का कडाई से विरोध कर रहा है और इस नीति के खिलाफ लगातार संघर्ष करने की घोषणा की है। इसके तहत भारतीय मजदूर संघ नें 30-11-1998 को संसद भवन पर विशाल धरना- प्रदर्शन तथा 16-04-2001 को लाल किला से रामलीला मैदान तक जुलूस निकालकर तथा रैली करके संघर्ष की सफल शुरुआत की है। इन कार्यक्रमों में भारतीय रेल्वे मजदूर संघ ने भी खूब बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस रैली में माननीय दत्तोपंत ठेंगडीजी ने न केवल सरकार को विश्व व्यापार संगठन (WTO) से बाहर आने की चेतावनी दी बल्कि भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं से इन श्रम नीतियों के खिलाफ मजदूरी युध्द (Wage war) छेड़ने की अपील भी की। इस समय हमारा नारा है - ***"WTO मोड़ो तोड़ो छोड़ो"***

प्रतिरक्षा क्षेत्र में सैनिक सामानों तथा युध्द सामग्रियों के उत्पादन के लिए निजी कम्पनियों को अनुमति दिये जाने की सरकारी घोषणा के खिलाफ भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ ने तत्काल कदम उठाते हुए हड़ताल की नोटिस दी थी। इसके दबाव में आकर सरकार ने अपनी नीति पर पुर्नविचार करना स्वीकार किया है।

मित्रों, अब भारतीय रेल्वे मजदूर को अपनी कमर कसकर संघर्ष में कूद पड़ने की बारी है। डॉ. राकेश मोहन कमेटी की सिफारिशें पूरी तरह राष्ट्र हित के विपरीत है तथा हमारे सम्मुख घोर आपदा की तरह है। इस कमेटी ने "रेलवे बोर्ड", की "इण्डियन रेलवे इक्झीक्यूटिव बोर्ड" के रूप में पुर्नगठित करने की सिफारिश की है, जिसका संचालन पूरी तरह व्यावसायिक तथा निजी प्रबन्धकों द्वारा किया जाय। इस कमेटी ने रेलवे के कई विभागों, उत्पादन इकाइयों, अस्पताल, कॉलोनी, सुरक्षा व्यवस्था इत्यादि को समाप्त करने की सलाह दी है। आगामी सात वर्षों में बीस प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की सिफारिश भी की गयी है। यद्यपि ये सिफारिशें किसी भी तरह रेलवे का निजीकरण करने जैसी बात नहीं करती फिर भी हमें इसके खिलाफ संघर्ष के लिए तैयार रहना है।

रेलवे की सभी उत्पादन इकाइयों तथा कारखानों में 12.5 प्रतिशत उत्पादन समय कटौती की क्षतिपूर्ति इन्सेन्टिव दर में वृध्दि तथा अतिरिक्त कार्यभार बढ़ाकर किये जाने का संकेत है । जिससे यहा स्पष्ट हो कि कर्मचारियों की संख्या जरूरत से अधिक है । इस तरह की किसी साजिश में फंसने से हमें अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है । आज रेल कर्मचारियों का सर्वाधिक विश्वास भारतीय रेलवे मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं पर ही है । अतएव रेल कर्मचारियों के हित रक्षण हेतु संघर्ष की जिम्मेदारी हमें अपने कंधो पर लेनी होगी ।

प्यारे भाइयों और बहनों, एक महामंत्री के रूप में गत् तीन वर्षो में किये गये कार्य-कलापों का विवरण आपके सम्मुख रखना मेरा परम् कर्तव्य है । इस विशाल संगठन के संचालन का जो गुरूतर भार आपने मेरे ऊपर सौंपा है उसके प्रति कृतज्ञता शब्दों में नही ज्ञापित की जा सकती । निःसन्देह मेरी क्षमता से परे यह एक अत्यन्त कठिन कार्य है । किन्तु आपके प्यार, स्नेह और सहयोग से यह कार्य अत्यन्त आसान हो गया । मैं केन्द्रीय कार्यकारिणी के सदस्यों के प्रति विशेष रूप से आभारी हूं जिनका सहयोग और बहुमूल्य सुझाव मुझे समय-समय पर मिलता रहा है । साथ ही मैं श्री अमलदार सिंहजी और श्री. गिरीश अवस्थी जी के प्रति कृतज्ञ हूँ , जो मेरे कार्य में सदैव मार्गदर्शन करते रहे । भारतीय रेल्वे मजदूर संघ के अध्यक्ष श्री. दत्ता रावदेव जी का मैं हृदय से आभारी हूं जिन्होने इस कार्यकाल में छोटे-छोटे कार्यों में मेरी पूरी सहायता की ।

प्रिय मित्रों, इक्कीसवीं शताब्दी का यह प्रथम अधिवेशन है । इस शुभ अवसर पर आईये हम सब प्रतिज्ञा करें कि ह्रासकारक नीतियों के कारण देश की आर्थिक गुलामी की जंजीर को तोड़ फेकेंगे ।

उत्तिष्ठत, जाग्रत, प्राप्य वरान्निबोधत् ।

वन्दे मातरम् । भारत माता की जय ।।

**के. स्वयंभुवु**
**महामंत्री**
**भारतीय मजदूर संघ**

# संगठनात्मक गतिविधियां

**1) भा. रे. म. संघ तथा सम्बन्ध संगठनों के कार्यकर्ताओं हेतु अभ्यास वर्ग :-** भारतीय रेल्वे मजदूर संघ तथा सम्बन्ध संगठनों के कार्यकर्ताओं के लिए अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया। यह त्रिदिवसीय वर्ग अत्यन्त सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में 19 से 21 अगस्त, 1999 को दीनदयाल परिसर, भोपाल में आयोजित किया गया जिसमें भा. रे. म. संघ के केन्द्रीय पदाधिकारी, क्षेत्रप्रमुख, मण्डल सचिव, कारखाना सचिव और प्रत्येक जोन से पांच-पांच कार्यकर्ताओं सहित कुल 153 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मा. श्री. अमलदार सिंह जी, श्री. मुकुन्द गोरे, श्री. गिरीश अवस्थी, श्री. अरविन्द मोघे इत्यादि ने अपने बहुमूल्य विचारों से कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। मध्य रेल्वे कर्मचारी संघ, भोपाल मण्डल के कार्यकर्ताओं ने बड़े परिश्रम से अभ्यास वर्ग का आयोजन किया। इस आयोजन के लिए सहयोग तथा मार्गदर्शन करने हेतु भा. रे. म. संघ मध्य प्रदेश भा. म. संघ का आभारी है। दीन दयाल परिसर के व्यवस्थापकों को इतनी उत्तम तथा सुविधा सम्पन्न स्थान उपलब्ध करने हेतु हमारा विशेष धन्यवाद !

**2) सर्वोच्च परिषद की बैठक :** सर्वोच्च परिषद की बैठक चित्तरन्जन रेल इंजन कारखाना में 25 तथा 26 सितम्बर, 2000 को सम्पन्न हुई। भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री. अमलदार सिंह, भा. म. संघ के राष्ट्रीय मंत्री व स.क.रा.प. के महामंत्री श्री. गिरीश अवस्थी ने बैठक में पधारकर उसकी शोभा बढायी। 25 सित. को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को श्री. अमलदार सिंहजी, श्री. गिरीश अवस्थी, श्री. दत्ता रावदेव तथा श्री. स्वयंभुवु ने सम्बोधित किया। 26 सित. को दोपहर के भोजन के समय रेल इंजन कारखाना के कर्मचारियों की द्वार सभा आयोजित की गयी जिसे श्री. अमलदार सिंह तथा भा. रे. म. संघ के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री. के. एन. शर्मा ने सम्बोधित किया। द्वार सभा से पूर्व रंगारंग जुलूस निकाला गया जिसमें चि. रे. कारखाना के कर्मचारियों तथा प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। 25 सित. को उद्घाटन सत्र में श्री. अमलदार सिंह द्वारा लिखित पुस्तक **"रेलवे पर मजदूर आन्दोलन और भारतीय रेलवे मजदूर संघ का अभ्युदय"** का लोकार्पण श्री. गिरीश अवस्थी के कर कमलों द्वारा किया गया। एक अमूल्य धरोहर तथा भा.रे.म. संघ के इतिहास के रूप में इस पुस्तक के संकलन तथा लेखन में श्री. अमलदार सिंह जी ने जो कष्ट उठाया उसके लिए भा. रे. म. संघ उनका हृदय से आभारी है। बैठक के दूसरे दिन **"स्व. शरद देवधर प्रतिष्ठान"** द्वारा **'देवधर स्मृति पुरस्कार'** प्रदान करने हेतु समारोह आयोजित किया गया। यह पुरस्कार

अत्यन्त कठिन एवं विपरीत परिस्थिति में भी महत्वपूर्ण तथा प्रशंसनीय कार्य करने हेतु 'चिरेका कर्मचारी संघ' को प्रदान किया गया ।

बैठक में परिषद ने रेल कर्मचारियों की तमाम समस्यायों सहित भा. रे. म. संघ की मान्यता के सम्बन्ध में भी चर्चा की तथा कई प्रस्ताव पास किये । सर्वोच्च परिषद की दो दिवसीय बैठक सफलता पूर्वक आयोजित की गयी जिसमें सभी लक्ष्यों को प्राप्त किया गया ।

अत्यन्त वर्षा के कारण आवश्यक नागरिक सुविधाओं की आपूर्ति की दुर्व्यस्था के बावजूद चिरेका कर्मचारी संघ के कार्यकर्ताओं ने जिस तन्मयता तथा लगन से सफल आयोजन किया इसके लिए उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करना हमारा परम् कर्तव्य है । यद्यपि जलापूर्ति तथा विद्युत प्रवाह खण्डित था, दूरसंचार व्यवस्था तथा सड़कें अस्त - व्यस्त थी, फिर भी चिरेका के हमारे सहयोगियों ने परिषद का आयोजन सफलता पूर्वक किया ।

## 3) द्वितीय उत्पादन इकाईयां तथा कारखाना सम्मेलन :-

भारतीय रेल्वे मजदूर संघ रेल कर्मियों की समस्याओं के निराकरण हेतु सदैव से ही अग्रणी रहा है । तथा उचित समय पर स्वतः ही कार्रवाही करता रहा है । यह हमेशा देखा गया है कि रेलवे में सर्वाधिक आघात उत्पादन इकाईयों एवं कारखानों पर ही होता है । इसलिए इनमें कार्यरत कर्मचारियों को संगठित करने तथा उन्हे संघर्ष के लिए तैयार करने की आवश्यकता है । निजीकरण के रूप में हो रहे आक्रमण से निपटने हेतु भारतीय रेल्वे मजदूर संघ संघर्ष करने की नीतिगत तैयारी की है । 1998 में पटियाला में उत्पादन इकाइयों तथा कारखानों का प्रथम सम्मेलन सम्पन्न हुआ था । द्वितीय सम्मेलन 'अम्बेडकर अरांगम" आई.सी.एफ., चेन्नई में 19 तथा 20 जून, 2001 को आयोजित किया गया । भा. म. संघ के कार्याध्यक्ष भा. आर. वेणुगोपाल ने सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए अपने ओजस्वी भाषण से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया । स्वदेशी जागरण मंच के राष्ट्रीय संयोजक श्री. गुरुमूर्ति की अनुपस्थिति में उनका संदेश पढ़ा गया । वे बीमार होने के कारण सम्मेलन में उपस्थित नहीं हो सके । देश के सभी कारखानों तथा उत्पादन इकईयों के शाखा सचिवों ने कारखानों की वर्तमान स्थिति की रपट प्रस्तुत की ।

भारत सरकार को सौंपी गयी डॉ. राकेश मोहन की रिपोर्ट पर गम्भीरता से बिन्दुवार विचार किया गया । सम्मेलन में इस रिपोर्ट की कड़े शब्दों में निन्दा की गयी तथा सरकार से इसे तुरंत निरस्त करने की मांग करते हुए प्रस्ताव पास किया गया । उत्साह से भरे कई सौ कारखाना कर्मचारियों ने सम्मेलन में हिस्सा लिया । स्थानीय समाचार माध्यमों - समाचार पत्र, दूरदर्शन ने इस सम्मेलन का शानदार और सफल प्रसारण किया ।

## 4) सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ का अभ्यास वर्ग :-

सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ से संलग्न सभी महासंघो में भारतीय रेल्वे मजदूर संघ सबसे बड़ा संगठन है । अतएवं स.क.रा. परिसंघ को इससे सर्वाधिक अपेक्षायें भी रहती है । स.क.रा. परिसंघ के तत्वावधान में 5 से 7 मई, 2001 को सभी संलग्न महासंघो के कार्यकर्ताओं को अद्यतन जानकारी प्रदान करने हेतु देहरादून में स्थित प्रतिरक्षा विभाग के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र के छात्रावास में एक अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया । अभ्यास वर्ग में भाग लेनेवाले कुल 52 प्रतिनिधियों में से 11 (ग्यारह) भा. रे. म. संघ के थे । इस अभ्यास वर्ग में राष्ट्रहित के विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार मंथन किया गया ।

अभ्यास वर्ग में मा. दत्तोपंत ठेंगड़ी जी, श्री. मोहन भागवत (सर कार्यवाह, रा. स्व. संघ), श्री. मदनदास जी देवी (सह सरकार्यवाह, रा. स्व. संघ), श्री. ओमप्रकाश अग्गी (संगठन मंत्री, भा.म.संघ), श्री. राम प्रकाश मिश्र (संगठन मंत्री, भा.म.संघ), श्री. मुकुन्द गोरे (मंत्री, भा.म.संघ) तथा गिरीश अवस्थी (मंत्री, भा.म.संघ) इत्यादि सम्मानित महानुभावों ने अपने विचार व्यक्त किये ।

अभ्यास वर्ग का तीसरा दिन स.क.रा. परिसंघ के अधिवेशन के रूप में हुआ । अधिवेशन में सरकार की श्रम विरोधी नीति का निषेध किया गया तथा सरकारी नीति का विरोध करने के लिए कई आन्दोलनात्मक कार्यक्रमों की योजना तैयार की गयी ।

अधिवेशन में केन्द्रीय पदाधिकारियों का चुनाव भी किया गया । श्री. अमलदार सिंह को अध्यक्ष तथा श्री. गिरीश अवस्थी जी को महामंत्री चुना गया । भा. रे. म. संघ के महामंत्री कार्यकारिणी के सदस्य चुने गये ।

## 5) कोषाध्यक्षों के लिए अभ्यास वर्ग :-

भारतीय मजदूर संघ के निर्देशानुसार भा. रे. म. संघ ने नयी लेखा पध्दति से अपना आय-व्यय विवरण तैयार करना प्रारम्भ कर दिया है । और महासंघ के स्तर पर बहुत ही उत्तम लेखानुशासन कायम है । इसी प्रकार का अनुशासन एवं पध्दति जोन स्तर पर लागू करने हेतु भा.रे. म. संघ ने सभी संगठनों के कोषाध्यक्षों का अभ्यास वर्ग आयोजित किया । इसमें सभी संगठनों के आय-व्यय विवरण की जांच की गयी । इसमें भा. रे. म. संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री. मंगेश देशपांडे तथा आन्तरिक लेखा परीक्षक श्री. श्रीनिवास जोशी ने मार्गदर्शन किया । उ. पू. क. यू., पू. रे. श्र. संघ तथा डी. सी. डब्ल्यू. का लेखा-जोखा दिल्ली में 15-4-2001 को, आई.सी.एफ. श्रमिक संघ का 17 एवं 18 जनू, 2001 को चेन्नई में जांच किया गया । पी. आर. के. एस. का आय-व्यय विवरण 19 जुलाई, 2001 को इलाहाबाद में जांचा गया । अन्य सभी संगठनों के आय - व्यय का निरीक्षण अधिवेशन के बाद किया जायेगा ।

**6) भारतीय मजदूर संघ का अभ्यास वर्ग :-** भारतीय मजदूर संघ के तत्वावधान में संघ कार्यालय , बंगलोर में 5,6 तथा 7 जुलाई, 1999 को अभ्यास वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें वित्त एवं लेखा-जोखा, मजदूर संगठन का कार्यालय, स्थायी एवं अस्थायी सम्पत्ति इत्यादि विषयों पर प्रकाश डाला गया । यह अधिवेशन भा. म. संघ के सभी महासंघो के महामंत्री तथा वित्त सचिव के लिए था । जिसमें मै स्वयं हमारे वित्तसचिव मंगेश देशपांडे तथा उपमहामंत्री श्री. अनन्त झाल्टे ने हिस्सा लिया ।

**7) स्व. शरद देवधर प्रतिष्ठान :-** भा. रे.म. संघ के पूर्व संगठन मंत्री स्व. शरद देवधर का जुलाई, 1995 में हुए निधन के तुरन्त बाद लखनऊ में सम्पन्न केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिए गये निर्णय के अनुसार उनकी स्मृति में एक प्रतिष्ठान के गठन का निश्चय किया गया । प्रतिवर्ष दिया जाने वाला यह पुरस्कार भा.रे.म.संघ की जोनल यूनियन, मण्डल तथा विशिष्ट संगठनात्मक कार्य करने वाले कार्यकर्ता को प्रदान किया जाता है । इस प्रतिष्ठान में कार्यकर्ताओं के बौध्दिक विकास हेतु मजदूर संगठनों का इतिहास, कार्यकलाप, विभिन्न नियम एवं कानून अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, इत्यादि से सम्बन्धित पुस्तकों का एक पुस्तकालय भी है । अब तक यह पुरस्कार क्रमशः श्री. के. एन. शर्मा, उत्तर रेलवे कर्मचारी यूनियन, पालघाट मण्डल (द.रे.का. संघ) चिरेका कर्मचारी संघ तथा पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद को दिया गया है ।

**8) भारतीय मजदूर संघ का राष्ट्रीय अधिवेशन :-** भारतीय मजदूर संघ का 12वां राष्ट्रीय अधिवेशन 15, 16 एवं 17 फरवरी, 1999 को रेशम बाग, नागपुर में सम्पन्न हुआ । इस अधिवेशन में भा. रे. म. संघ के 27 प्रतिनिधियों ने भाग लिया एवं अनुशासन का उच्चतम मानदण्ड स्थापित किया । भा. म. संघ के सभी कार्यक्रमों में हमारे कार्यकर्ताओं की उपस्थिति का प्रतिशत सदैव अच्छा रहा है । भा. म. संघ की केन्द्रीय कार्यकारिणी की सभी बैठकों में तथा कार्यक्रमों में भा.रे.म.संघ की उपस्थिति शतप्रतिशत रहती है ।

**9) अन्य कार्य-कलाप :-**

**क) करगिल युध्द :-** भा. रे. म. संघ एक राष्ट्रवादी संगठन होने के नाते सभी मुद्दों पर अपना पूर्ण उत्तरदायित्व निभाता है । करगिल युध्द के दौरान जगह-जगह पर भा. रे. म. संघ ने कर्मचारियों को एकत्रित करके युध्द में अपना सर्वोच्च बलिदान करने वालें योध्दाओं के प्रति श्रध्दाञ्जलि अर्पित की तथा भारतीय सेना का मनोबल बनाये रखने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया । युध्द के कारण विस्थापित हुए कश्मीरियों, घायल सैनिकों तथा शहीद सैनिकों के परिजनों की सहायता हेतु धन संग्रह करके राष्ट्रीय सुरक्षा कोष में भेजा । म.रे.क.संघ

समेत कई यूनियनों ने पत्रक वितरण करके तथा द्वारसभा, जनसम्पर्क आयोजित करके रेल कर्मचारियों से प्रधानमंत्री राहत कोष ने दिल खोलकर कम से कम एक दिन का वेतन दान करने की अपील की । हमारे इस प्रयास की सराहना तत्कालीन रेलमंत्री सुश्री ममता बनर्जी ने भी की ।

**ख) गुजरात का भूकम्प :-** भा. रे. म. संघ से सम्बध्द संगठनों ने गुजरात भूकम्प पीडितों की सहायता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया । धन संग्रह किया गया जिसे सेवा भारती तथा अपने संगठन के माध्यम से राहत कोष में जमा किया गया । आई.सी.एफ. कार्मिक संघ ने गुजरात राहत कोष में रू. 37,000/- नकद दिया तथा नेहरू युवा केन्द्र के माध्यम से लगभग रू. 5 लाख की सामग्री प्रेषित किया । द. रे. क. संघ के पालघाट मण्डल ने गुजरात भूकम्प पीडितो हेतु रू. 16,000/- दान दिया ।

**ग) महिला रेलकर्मियों को संगठित करना :-** भा. रे. म. संघ के अध्यक्ष मा. श्री. दत्ता रावदेव संगठनात्मक कार्यो में महिला रेल कर्मियों की अभिरुचि एवं भागीदारी बढ़ाने हेतु सभी सम्बध्द संगठनों को बार - बार सलाह देते रहे हैं । 'महिला वर्ष" से सुअवसर पर म. रे. क. संघ समेत कई यूनियनों ने जोनल कार्यकारिणी से लेकर शाखा स्तर तक महिला पदाधिकारियों का चयन किया है । पी. आर. के. एस. ने 24-3-2001 को आसनसोल में "महिला सम्मेलन" का आयोजन करके एक प्रशंसनीय कार्य किया है । तथा इस दिशा में मार्ग प्रशस्ति किया है ।

**घ) द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग के सम्मुख भा.रे.म. संघ का साक्ष्य :-** भा. रे. म. संघ ने 23-7-2001 को नई दिल्ली में द्वितीय राष्ट्रीय श्रम आयोग सम्मुख उपस्थित होकर अपना सप्रमाण सुझाव प्रस्तुत किया । सहा. महामंत्री श्री. लक्ष्मी प्रसाद जायसवाल, श्री. महेश कुमार पाठक एवं श्री. पी. सी. शर्मा आयोग के सम्मुख उपस्थित हुए । उन्होने भा. रे. म. संघ के मतानुसार अपना पक्ष रखा तथा श्रम कानूनों में संशोधन का सुझाव दिया । मान्यता प्राप्ति से सम्बन्धित मुद्दे पर बातचीत हुई । भा. रे. म. संघ ने सुझाव दिया है कि श्रम क्षेत्र में वर्तमान पध्दति में बदलाव लाने हेतु समय-समय पर मान्यता के सन्दर्भ में समीक्षा की जानी चाहिए तथा गुप्त मतदान या किसी अन्य तरीके से मान्यता देनी चाहिए । आयोग ने इस सुझाव की भूरि-भूरि प्रशंसा की ।

**ड) रेल मंत्रालय को बजट पूर्व सुझाव :-** बजट से पूर्व रेलमंत्री सुश्री ममता बनर्जी के आवाह्न पर भा. रे. म. संघ ने अपने सुझाव रेल मंत्रालय को दिये । भा. रे. म. संघ ने आमदनी में वृध्दि करने तथा अनावश्यक खर्चीले व्यय पर रोक लगाने के कई महत्वपूर्ण सुझाव देने के साथ ही रेलवे में आर्थिक कुप्रबन्धन की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया ।

**च) संलग्न संगठनों के जोनल अधिवेशन :** इस कार्यकाल में सभी संगठनों के जोनल अधिवेशन नियमित रूप से आयोजित किये गये इन अधिवेशनों में श्री. दत्ता रावदेव, मै स्वतः, श्री. ल. प्र. जायसवाल, श्री. अनन्त झालटे, श्री. अशोक कुमार शुक्ल, श्री. मंगेश देशपांडे, श्री. श्रीनिवास जोशी, श्री. के. एन. शर्मा, श्री. के. नारायणन् , श्री. चिन्मय शुक्ल ने भा. रे. म. संघ के प्रतिनिधि के रूप में जोनल अधिवेशनों में भाग लिया ।

**छ) संचालन समिति की बैठकें :-** महत्वपूर्ण मुद्दों पर तत्काल निर्णय लेने हेतु समय-समय पर संचालन समिति की बैठकें हुई । इन बैठकों में आवश्यक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये ।

**ज) केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठकें :-** इस कार्यकाल में केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठकें नियमित रूप से होती रही । इन बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति सदैव संतोषजनक रही । सभी सदस्यों ने उच्च स्तरीय विचार विमर्ष के समय हमेशा पूर्ण निष्ठा एवं अनुशासन का परिचय दिया ।

## : आन्दोलनात्मक कार्यक्रम :

**1) 30 नवम्बर, 1998 को भारतीय मजदूर संघ की रैली :-** केन्द्रीय सरकार की निजीकरण की नीति के विरूध्द संसद के शीतकालीन सत्र के प्रारम्भ होने के दिन 30-11-1998 को भारतीय मजदूर संघ द्वारा संसद भवन पर रैली का आयोजन किया गया । रामलीला मैदान से जंतर मंतर तक जुलुस निकाला गया, जहां वह एक सभा में परिवर्तित हो गया । इस सभा को मा. दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने सम्बोधित किया । भा. रे. म. संघ की ओर से एक हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने इस में भाग लिया ।

**2) मान्यता की मांग के साथ भारतीय रेल्वे मजदूर संघ का विशाल प्रदर्शन :-** भा. रे. म. संघ एवं सम्बध्द संगठनों को तत्काल मान्यता प्रदान करने की मांग के साथ 23-6-2001 को भारतीय रेलवे मजदूर संघ ने रेल भवन पर विशाल प्रदर्शन किया । दस हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन में भाग लिया ।

सभी नौ जोन एवं उत्पादन इकाईयों में कार्यरत 16 सम्बन्ध संगठनों के साथ भा. रे. म. संघ सबसे बड़ा संगठन है । यह संगठन भारत के सभी श्रम संगठनों में प्रथम स्थान पर स्थित भारतीय मजदूर संघ से संलग्न है । भारतीय रेल स्थापना नियमावली (IREM) में दी गयी सभी शर्तो को पूरा करने के बावजूद रेल प्रशासन भा. रे. म. संघ को मान्यता नही प्रदान कर रहा है । सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गये निर्देशों की अनदेखी करके रेलवे बोर्ड रेल कर्मचारियों के न्यायसंगत अधिकार को देने से इंकार कर रहा है । रेलवे बोर्ड के

इस व्यवहार से खिन्न होकर भा.रे. म. संघ ने 14 तथा 15 अप्रैल, 2000 को बड़ोदा में हुई केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लगभग 10,000 कार्यकर्ताओं के साथ रेल भवन पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। पुलिस द्वारा तमाम कठिनाइयां उत्पन्न करने के बावजूद हमारे कार्यकर्ता छिपते-छिपाते रेल भवन तक पहुंच ही गये। रेल राज्यमंत्री श्री. बंगारु लक्ष्मण ने सभा को संबोधित किया तथा रेल कर्मचारियों की मांग पर विचार करने का आश्वासन दिया। श्री. अमलदार सिंह, श्री. गिरीश अवस्थी, श्री. केशूभाई ठक्कर, श्री. रामदास पाण्डेय, श्री. लक्ष्मण रेड्डी तथा श्री. जग्गी जी तथा दिल्ली प्रदेश भा.म. संघ के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में भरपूर सहायता की। भा. रे. म. संघ इन सब के प्रति हृदय से आभारी है।

### 3) भारतीय मजदूर संघ की 16-4-2001 की रैली :-

16 अप्रैल, 2001 को दिल्ली की गलियों में "WTO मोड़ो, तोड़ो, छोड़ो" का गगन भेदी उद्घोष गूंज उठा। विश्व व्यापार संगठन, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तथा विश्व बैंक के दबाव में बनायी गयी सरकार की आर्थिक नीति के विरोध में दिल्ली के लाल किला पर एक लाख से अधिक कार्यकर्ता भा.म.संघ के आहवान पर एकत्रित हुए। लाल किला से रामलीला मैदान तक आयोजित जुलुस तथा धरने में भा.रे.म. संघ के एक हजार से अधिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। प्रतिनिधियों की व्यवस्था में उ. रे. क. यूनियन के कार्यकर्ताओं ने सक्रियता से हाथ बंटाया। रामलीला मैदान में रैली को संबोधित करते हुए मा. दत्तोपंत ठेंगड़ी जी ने सरकार की श्रम विरोधी नीति को लागू करने तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को देश में खुली छूट देने के लिए सरकार की कटु आलोचना की। उन्होने सरकार की नयी आर्थिक नीति तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के खिलाफ लम्बे तथा अनवरत् संघर्ष के लिए भा. म. संघ के कार्यकर्ताओं का आहवान किया।

**4) बोनस सप्ताह :-** भारतीय मजदूर संघ के आवाहन पर सम्पूर्ण भारतीय रेलवे पर 15 से 22 जुलाई, 2000 को बोनस सप्ताह मनाया गया। सभी रेल कर्मचारियों को (GM- गैंगमैन से GM. महाप्रबन्धक तक) बिना सीलिंग के बोनस देने की मांग के साथ द्वार सभा, धरना, प्रदर्शन आयोजित किया। स्थानीय प्रशासनिक प्रमुखों के माध्यम से बोनस एक्ट में संशोधन की मांग को लेकर प्रधानमंत्री तथा श्रममंत्री को ज्ञापन दिये गये।

**5) मांग पखवाड़ा :-** सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ के निर्देशानुसार 15 से 20 जनवरी, 2001 तक भा. रे. क. संघ की सभी सम्बन्ध यूनियनों ने मांग पखवाड़ा मनाया। द्वार सभा, धरना, प्रदर्शन सभी स्थानों पर किये गये। कई मांगो के साथ पर्चे वितरित किये गये। प्रमुख मांगें - 1) आयकर छूट की सीमा बढ़ाई जाय, 2) आकस्मिक अवकाश पूर्ववत किया जाय, 3) निजीकरण बन्द किया जाय तथा ठेकेदारी प्रथा पर रोक लगायी जाय, 4)

नयी भर्ती पर से प्रतिबन्ध हटाया जाय, 5) यात्रा भत्ता कम से कम रू. 500/- तक बढ़ाया जाय ।

**6) जनजागरण सप्ताह :-** सरकारी कर्मचारी राष्ट्रीय परिसंघ के 7-5-2001 को देहरादून में आयोजित अधिवेशन में सरकार के सम्मुख लम्बे समय से पड़ी सरकारी कर्मचारियों की मांगो को लेकर 16 से 21 जुलाई, 2001 तक आन्दोलन करके "जनजागरण सप्ताह" मनाने का निर्णय लिया गया । 19 तथा 20 जून, 2001 को चेन्नई में आयोजित "उत्पादन इकाई तथा कारखाना सम्मेलन" जन जागरण सप्ताह के दौरान डॉ. राकेश मोहन कमेटी की रिपोर्ट का विरोध करने का निश्चय किया गया । भा. रे. म. संघ के सभी संगठनों ने इस सप्ताह में धरना तथा द्वार सभा का आयोजन किया । डॉ. राकेश मोहन कमेटी की सिफारिशों की विस्तृत जानकारी देते हुए पर्चे वितरित किये गये । रिपोर्ट को निरस्त करने की मांग के साथ रेल मंत्री महोदय को पोस्ट कार्ड भेजे गये ।

## 7) कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम :

**आई. सी. एफ. कार्मिक संघ -** आई.सी.एफ. चेन्नई में वार्षिक उत्पादन का लक्ष्य 1000 से घटाकर 779 करने के निर्णय के विरोध में आन्दोलनात्मक कार्यवाही करने के लिए आई.सी.एफ. कर्मिक संघ, एन.एफ.आइ.आर., ए.आई.आर.एफ., आई.सी.एफ. लेबर यूनियन तथा अन्य ग्यारह संगठनों ने मिलकर संयुक्त परिषद का गठन किया है । इन सभी संगठनों का एक संयुक्त प्रतिनिधि मण्डल 30-07-2001 को रेलवे बोर्ड के चेअरमैन से भेंट करके इस मामले को उनके सामने रखा । उन्होने प्रतिनिधि मण्डल को आश्वासन दिया है कि नाइजीरिया रेलवे से 150 डिब्बों के निर्माण का आर्डर प्राप्त होने पर उसे आई.सी.एफ. को दिया जायेगा । आई.सी.एफ. कर्मिक संघ का स्थापना दिवस 4-1-2001 को मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री. ओ. राजगोपाल, रेल राज्यमंत्री पधारे थे । राकेश मोहन कमेटी की जानकारी देने तथा निजीकरण के विरोध में 4-9-2001 को कैरेज वर्कशाम से निकलकर रथ यात्रा 5-9-2001 को आई.सी.एफ. पहुंची थी ।

डॉ. राकेश मोहन समिति की सिफारिश के विरोध में जनजागरण सप्ताह के दौरान आई.सी.एफ. कर्मिक संघ की ओर से लगभग 3000 पोस्ट कार्ड भेजे गये ।

**चिरेका कर्मचारी संघ :-** चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना के निजीकरण के विरोध में चिरेका कर्मचारी संघ द्वारा धरना दिया गया । 250 से अधिक कर्मचारियों ने धरने में भाग लिया । डॉ. राकेश मोहन कमेटी की

सिफारिशों की व्यापक जानकारी देने के लिए द्वार सभा का आयोजन किया गया तथा प्रशासन से मांग की गयी कि वह इस सिफारिश को तरकाल निरस्त करे। इस सम्बन्ध में महाप्रबन्धक को एक ज्ञापन भी दिया गया।

**पी. आर. के. एस.** :- पी. आर. के एस. की कंचरापारा शाखा ने यूनियन की दैनिक गतिविधियों के संचालन तथा बैठकों इत्यादि के लिए कारखाने के समीप ही कार्यालय लिया है। यह कोलकत्ता के वामपंथियों की आंख की किरकिरी बन गया है। इसी 8 अप्रैल, 2001 को कुछ अवांछित वामपंथी तत्वों ने मध्यरात्रि के समय कार्यालय पर धावा बोलकर सभी कागजात तथा फर्नीचर इत्यादि लगभग रू. 6000/- की सम्पत्ति नष्ट कर दी। बीजपुर पुलिस स्टेशन में इस मामले में रिपोर्ट लिखाई गयी है।

अपने सक्रिय कार्यकर्ता श्री. सेन का स्थानान्तरण हावडा से जमालपुर कर दिया गया था। इसक लिए संघर्ष किया गया जिसमें अपने कार्यकर्ताओं को सफलता मिली। श्री. सेन को पुनः जमालपुर से हावड़ा वापस लाया गया।

**मध्य रेलवे कर्मचारी संघ** :- मध्य रेलवे कर्मचारी संघ की मनमाड शाखा ने उचित तरीके से प्रशासन द्वारा कार्यालय प्राप्त किया है। यह कार्यालय रेलवे में कार्यरत एक अन्य संगठन के सहयोग से प्राप्त हुआ। इस कार्यालय का उद्घाटन म.रे.क. संघ के 34वें वार्षिक अधिवेशन के समय मेरे द्वारा 15-07-2001 किया गया था। हमारे मनमाड के लगनशील एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं ने वहां के अधिकारियों तथा कर्मचारियों का समर्थन एवं विस्वास जीतने में सफलता प्राप्त की है। इससे वातावरण मे बदलाव आ रहा है।

मध्य रेलवे कर्मचारी संघ ने सभी मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालयों पर 14-12-2000 को एक साथ धरना का कार्यक्रम किया। धरने पर सभी मण्डलों के सैकड़ों कार्यकर्ता बैठे। दोपहर के भोजन के समय द्वार सभा का आयोजन किया गया जिसे भा. म. संघ तथा म. रे. क. संघ स्थानीय वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सम्बोधित किया। धरने के दौरान विभिन्न मांगो के साथ मण्डल रेल प्रबन्धक को ज्ञापन दिया गया तथा कर्मचारियों की समस्यायों पर चर्चा की गयी।

म. रे. क. संघ की झांसी कारखाना शाखा के 92 कर्मचारी वरिष्ठता सूची के निर्माण में हुई धांधली के शिकार हुए थे। यह मामला ए.एल.सी. कानपुर द्वारा अस्वीकार किये जाने के बाद केन्द्रीय न्यायाधिकरण (CAT) मुंबई में दायर किया गया था। इसके साथ ही लोको शेड कल्याण के 12 अन्य कर्मचारी भी इसमें शामिल किये गये थे। एक लम्बी कानूनी लड़ाई के बाद केन्द्रीय न्यायाधिकरण ने अपने इन कार्यकर्ताओं के पक्ष में निर्णय दिया है यह एक बड़ी उपलब्धि है।

झांसी में कार्यरत म. रे. क. संघ के उप महामंत्री श्री. रामबाबू शर्मा को झूठा आरोप लगाकर नौकरी से हटा दिया गया था। इस विषय में हर स्तर पर

संघर्ष किया गया और हमारी विजय हुई । श्री. शर्मा जी को पुनः कार्य पर लिया गया । यही नहीं जिस अधिकारी ने यह घृणित कार्य किया था उसका तत्काल स्थानान्तरण कर दिया गया ।

म. रे. क. संघ के कार्यकर्ताओं ने भा. रे. म. संघ की रेल भवन पर हुई रेली के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित करने हेतू पूरे जोन का दौरा किया तथा 23 जून, 2000 को लगभग 2000 कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे थे ।

**पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद :-** 23 जून, 2000 को रेल भवनपर प्रदर्शन में भाग लेने के लिए कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित करने हेतु अध्यक्ष तथा महामंत्री ने पूरे जोन का सघन दौरा किया । परिणामतः पश्चिम रेलवे से सर्वाधिक कार्यकर्ता वहां पहुंचे थे ।

**1974 की हड़ताल की रजत जयंती :-** भा. रे. म. संघ ने 1974 की ऐतिहासिक रेल हड़ताल की रजत जयंती पूरे देश में मनाया । सभी जोनों ने द्वारसभा, रैली और धरने का कार्यक्रम आयोजित किया । पत्रक तथा पोस्टर प्रकाशित किए गये रेल कर्मचारियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा निजीकरण को रोकने हेतु संयुक्त रूप से ऐसे ही कार्यक्रम को भा. रे.म. संघ दोहराना चाहता है । भा. रे. म. संघ यह भी बता देना चाहता है कि यहीं एक मात्र ऐसा संगठन है जो किसी संघर्ष में आखिर तक टिक रह सकता है । द्वारसभाओं में भा. रे. म. संघ के कार्यकर्ताओं के त्याग और बलिदान को स्मरण किया गया ।

**श्री. हसूभाई दवे (महामंत्री, भा.म.संघ) का सम्मान :-** भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री श्री. हसूभाई दवे वर्कर्स एजूकेशन बोर्ड का चेयरमैन बनने के उपरान्त 1999 में भावनगर में आयोजित पश्चिम रेलवे कर्मचारी परिषद के अधिवेशन में पधारे थे । वे देश भर के सघन दोरे में जहां भी गये, भा.रे.म. संघ के कार्यकर्ताओं ने उनका खूब स्वागत किया । दक्षिण रेलवे कार्मिक संघ, त्रिची मण्डल के कार्यकर्ताओं द्वारा गोल्डन रॉक बर्कशाप में उनका भव्य अभिनंदन किया गया । अपने स्वास्थ्य की प्रतिकूलता के कारण उन्होंने वर्कर्स एज्यूकेशन बोर्ड के चेयरमैन पद से त्यागपत्र दे दिया है । यह कार्यभार अब भा. म. संघ के उपाध्यक्ष श्री. केशूभाई ठक्कर को सौंपा गया है ।

**स्वदेशी जागरण मंच के कार्यक्रम :-** स्वेदशी जागरण मंच के सभी कार्यक्रमों में भा. रे. म. संघ के कार्यकर्ता देश भर में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते है । और स्वदेशी वस्तुओं को अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए लोगों को प्रातहित करते रहते हैं ।

**राष्ट्र जागरण अभियान :-** वर्ष 2000 में पूरे देश में राष्ट्र जागरण अभियान शुरू किया गया था । भा. रे. म. संघ के कार्यकर्ताओं ने इस

अभियान में पूरी भागीदारी की । उन्हे अच्छा अनुभव प्राप्त हुआ । अखिल भारतीय बौध्दिक प्रमुख श्री. रंगा हरि ने मध्य रेल के मुंबई मण्डल की ठाकुर्ली में रेल कर्मचारियों को संबोधित किया । यह सभा म. रे. क. संघ ने आयोजित किया था । श्री. रंगा हरि को डॉ. अम्बेडकर की प्रतिमा तथा श्री. अमलदार सिंह द्वारा लिखी पुस्तक भेंट की गयी ।

**भवन निधि :-** भारतीय मजदूर संघ के केन्द्रीय भवन हेतु धन संग्रह करके केन्द्रीय कार्यालय को भेजा गया है ।

## : उत्पीडन :

भारतीय रेल्वे मजदूर संघ गैर मान्यता प्राप्त संगठन होने के बावजूद रेल कर्मचारियों का सबसे बड़ा संगठन है । यह कार्यकर्ताओं के लगन, निष्ठा एवं रेल कर्मचारियों की समस्यायों को हल करने के प्रयास के कारण ही सम्भव हुआ है । हमारे संगठन के प्रति कर्मचारियों का विस्वास एवं आस्था बढ़ी है । इससे हमारे बढ़ते कार्य एवं शक्ति का परिचय मिलता है । किन्तु दुर्भाग्य से हमारे राष्ट्रभक्त सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने के लिए कुछ अन्य रेल संगठन प्रशासन को प्रेरित कर रहे है । गैर मान्यताप्राप्त संगठन के कार्यकर्ताओं के दमन की प्रशासन की नीति के कारण भी कार्य करना कठिनतर होता जा रहा है । गत तीन वर्षों में तमाम भ्रष्ट अधिकारियों नें अपने पद तथा अधिकार का दुरुपयोग करते हुए हमारे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया तथा चार्जशीट दी । इनमें कुछ का वर्णन इस प्रकार है ।

**वटवा डीजल शेड :-** वटवा डीजल शेड में प.रे.क.संघ की उचित तरीके से संगठनात्मक गतिविधियों को संचालित करने के बावजूद वहां के अध्यक्ष श्री. प्रेमजीत सिंह, सचिव श्री. दयाशंकर ओझा तथा संयुक्त सचिव श्री. दिनेश चतुर्वेदी को नौकरी से निकाल दिया गया है । शाखा सचिव ने वहां के कर्मचारियों की कुछ स्थानीय समस्यायों को उठाया था । समस्यायों की ओर प्रशासन के ध्यान न देने के कारण शाखा स्तर पर धरना आयोजित किया गया । डीजल शेड प्रशासन ने धरने के कारण शाखा के पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाही की । अध्यक्ष, सचिव एवं संयुक्त सचिव को निलंबित कर दिया गया । यद्यपि निलंबन की प्रक्रिया भी एकदम अलोकतांत्रिक थी । निलंबन आदेश कर्मचारी को देने के बजाय रोड की दीवाल पर चिपका दिया गया था । यह कदम हमारे प. रे. क. प. के कार्यकर्ताओं को हतोसहित करने के उद्देश्य से उठाया गया था । उन्हे दी गयी चार्जशीट में "अवैध धरने में भाग लेना" जैसा आरोप लगाया गया । इन कार्यकर्ताओं को नौकरी से निकाल दिया गया है । यद्यपि जिस नियम के तहत उन्हे निकाला गया है वह इसके लिए अपर्याप्त है । इसके

विरोध में इन तीनों प्रताड़ित कर्मचारियों तथा प. रे. क. प. के कार्यकर्ताओं ने 6-8-2001 को मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय बड़ोदरा पर भूख हड़ताल तथा धरना दिया था। भा. रे. म. संघ ने इसे एक चुनौती के रूप में लिया है। और प्रशासन के इस असंवैधनिक कदम के विरोध में संघर्ष करने का निर्णय लिया है। गत सात महीने से भा. रे. म. संघ एकजूट होकर आर्थिक मदद से लेकर अन्य सहायता के साथ उठ खड़ा हुआ है। हमने इस मामले को अदालत में भी चुनौती दी है तथा अन्य उच्च स्तर पर भी उठायेंगे। हमें पूर्ण विश्वास है कि सत्य की विजय अवश्य होनी।

**पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ :-** यह जानकर आश्चर्य होता है कि रेलवे प्रशासन संवैधानिक प्रावधानों की अपेक्षा करते हुए आपराधिक कदम उठाता है। गोरखपुर में स्टैण्ड पर सायकिल रखने के छोटे से मामले को लेकर कर्मचारियों तथा रेल सुरक्षा बल के बीच विवाद हुआ। दुर्भाग्य से सुरक्षा बल के अधिकारियों ने मामले को तूल देते हुए कर्मचारी के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी। रेल प्रशासन ने भी मामले की बिना पूरी जांच किये सम्बन्धित कर्मचारी के खिलाफ कड़ा कदम उठा लिया। पू. रे. श्र. संघ ने इसका विरोध किया ओर महाप्रबंन्धक कार्यालय पर गोरखपुर में धरना दिया। द्वार सभा को सम्बोधित करते हुए भा. रे. म. संघ के उप महामंत्री श्री. अशोक कुमार शुक्ल ने कर्मचारी को न्याय देने की मांग की। इस मामले में प्रशासन ने यह आरोप लगाते हुए कि श्री. अशोक कुमार शुक्ल ने एक अवैध तरीके से आयोजित द्वार सभा तथा धरना को सम्बोधित किया, श्री. शुक्ल जी को आरोप पत्र जारी कर दिया। पू. रे. श्र. संघ के महामंत्री श्री. रमाकांत प्रसाद सिंह को गोरखपुर से वारणासी तथा कार्यालय सचिव श्री. राजेश कुमार झा को इज्जतनगर स्थानांतरित कर दिया गया है। भा. रे. म. संघ ने इस मुद्दे को गम्भीरता से लेते हुए प्रशासन के साथ संघर्ष किया और श्री. शुक्ल को जारी आदेश को प्रशासन ने वापस लिया। श्री. आर. पी. सिंह तथा श्री. आर. के. झा के मामले को उच्च स्तर तक ले गये हैं। जब तक इसमें सफलता नहीं मिलती हम दम नहीं लेंगे।

**सी.एम.आर.के.एस. :-** सेक्शन इंजी. (विद्युत) श्री. समरेशदास को मेट्रो रेलवे प्रशासन द्वारा सी. एल. डब्ल्यू. में निम्नतर वेतनमान में बिना कोई कारण बतायें पदावनत किया गया। श्री. समरेशदास मेट्रो रेलवे कर्मचारी संघ के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। तत्कालीन रेल मंत्री सुश्री ममता बनर्जी के आवाहन् पर सी. एम. आर. के. एस. ने मेट्रो रेलवे में व्याप्त भीषण आर्थिक अनियमिताओं को प्रकाश में लाया था। इससे क्षुब्ध होकर मेट्रो रेल प्रशासन ने हमारे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करना प्रारम्भ कर दिया। इसी क्रम में श्री. समरेश दास को स्थानान्तरित किया गया। एक अन्य कार्यकर्ता श्री. शंकरदास को भी मुख्यालय से लाईन कार्यालय में स्थानान्तरित कर दिया गया।

लम्बे संघर्ष के उपरान्त इस आदेश को निरस्त करने में भा. रे. म. संघ को सफलता मिली ।

श्री. डी. पू. बी. राव, पी. के. साहू, बिस्वाल, आर. मनथम इत्यादि हमारे डी. पी. आर. एम. एस., सी.आर.डब्ल्यू मंचेश्वर के कार्यकर्ताओं को गलत तरीके से अन्य संगठनों के दबाव के कारण अन्यत्र स्थान्तरित कर दिया गया । मंचेश्वर कारखाने में हमारे संगठन का बहुत अच्छा कार्य तथा प्रभाव है । हमारे कार्य से ईर्ष्या रखनेवाले संगठनों ने हमारे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित करने के लिए प्रशासन पर दबाव बढ़ाया था । उनके दबाव में आकर ही प्रशासन ने प्रशासनिक आधार पर हमारे कार्यकर्ताओं का तबादला किया था । एक लम्बी लड़ाई के बाद ही हम उन्हे वापस ला सके ।

**पश्चिम रेल्वे कर्मचारी परिषद** :- प. रे. क. परिषद के कार्यकर्ता मुंबई मण्डल के सचिव श्री. जीवन सिंह अधिकारी, बडोदरा के श्री. आर. पी. गुप्ता को अपने सहकर्मियों की समस्यायों को प्रशासन के प्रमुख उठाने के कारण निलंबित कर दिया गया था । दाहोद कारखाना के दो कार्यकर्ताओं को द्वार सभा में भाग लेने के कारण आरोप पत्र दिया गया ।

डी. सी. डब्ल्यू कर्मचारी संघ के कार्यकर्ताओं को दीवाल पर पोस्टर्स चिपकाने के कारण दण्डित किया गया ।

आर.सी.एफ. के. एस. कपुरथला के कार्यकर्ता अभी तक नौकरी से बाहर ही है ।

ये कुछ उदाहरण हैं जो रेल प्रशासन की अलोकतांत्रिक कार्य प्रणाली को रेखांकित करते हैं । भारत के संविधान तथा ट्रेड युनियन एक्ट में दिये गये श्रमिकों के मूल अधिकारों की धज्जिया प्रशासन द्वारा उड़ायी जा रही है । अत्यधिक कठिन परिस्थितियों तथा कार्य के भार को सहन करते हुए भी भा. रे. म. संघ के कार्यकर्ता आगे ही बढ़ते जा रहे है । भा. रे. म. संघ प्रशासन द्वारा उठाये जा रहे उत्पीडनात्मक कदमों को कडाई से निषेध करता है तथा कार्यकर्ताओं को उत्पीड़ित करने की कार्यवाही से बाज आने की सलाह देता है ।

## भारत माता की जय !

**के. स्वयंभुवु**
महामंत्री
**भारतीय रेल्वे मजदूर संघ**

# श्रध्दाञ्जलि

भारतीय रेल्वे मजदूर संघ की तेरहवी त्रिवर्षीय आम सभा उन सभी प्रतिष्ठित तथा महत्वपूर्ण व्यक्तियों के प्रति अपने श्रध्दा सुमन अर्पित करती है जो विगत् कार्यकाल में ब्रम्हलीन हुए । उन सबकी आत्मा की चिर शांति के लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं ।

द. म. रे. क. संघ के संस्थापक सदस्य स्व. श्री. आर. आर. बंगलोर, भारतीय मजदूर संघ विदर्भ प्रदेश के बाबूराव डोंगरे, भा. रे. म. संघ के पूर्व उपाध्यक्ष लोकनाथजी, डी. एल. डब्ल्यू मजदूर संघ के पूर्व उपाध्यक्ष आर. एन. तिवारी, द. म. रे. क. संघ के देसाई, राजू, उ. रे. क. यूनियन से पूर्व महामंत्री योगेश शर्मा, म. रे. क. संघ के बळीराम पाटील, एम. एन. गद्रे, समेळ, डी. एम. पेंडसे, प. बंगाल के पूर्व प्रान्त प्रचारक धर्मचन्द्र नायर, भा. म. संघ तमिलनाडु के पूर्व प्रान्त अध्यक्ष आर. श्रीनिवासन, सी. एम. आर. के. एस. के. गौतम बॅनर्जी, आर. एन. घोष, निमई सामन्त, आन्ध्रप्रदेश फालुदा के प्रान्त सचिव गौरी शंकर, रा. स्व. संघ गुवाहाटी के कार्यालय प्रमुख प्रचारक ई. सुब्रमण्यम्, त्रिपुरा में आतंकवादी बर्बरता के शिकार रा. स्व. संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक शुभंकर चक्रवर्ती, सुधामय दत्त, दीनेन्द्रनाथ, श्यामलसेन गुप्त, 'थर्ड वे' के लेखक एम. आर. बोरकर, प. बंगाल के सांसद इन्द्रजीत गुप्त, राजनेता जी. के. मुपनार, जगदीश पायलट, कुमार मंगलम्,

करगिल संघर्ष में अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले शहीद अमर जवान, कश्मीर तथा अमेरिका समेत विश्व के तमाम देशों में आतंकवादी कार्रवाई में मारे गये निर्दोष नागरिक तथा सेनानी, गाइसल, खन्ना, कोझीकोड, जलगांव सहित अन्य रेल दुर्घटनाओं में मारे गये रेल यात्री, उडीसा के भीषण चक्रवात, गुजरात के हृदयविदारक भूकम्प तथा बिहार, प. बंगाल, उडीसा में आयी भयंकर बाढ़ से मारे गये देश के नागरिक,

इस कालखण्ड में वे तमाम ज्ञात-अज्ञात स्वर्गीय पवित्र आत्मायें तथा भा. रे. म. संघ के कार्यकर्ता जो अब हमारे बीच में नहीं रहे ।

**ॐ शान्ति !**

# भारतीय रेल्वे मजदूर संघ

## केन्द्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी

## 1998 - 2001

| | | |
|---|---|---|
| *मार्गदर्शक* | श्री. अमलदार सिंह | वरिष्ठ उपाध्यक्ष, भा.म.संघ |
| *उद्योग प्रमुख* | श्री. गिरीश अवस्थी | मंत्री, भा. म. संघ |
| *अध्यक्ष* | श्री. दत्ता रावदेव | अव.प्र. कैशियर, वाडीबन्दर |
| *कार्याध्यक्ष* | श्री. दामोदर प्रसाद शर्मा | अव.मु.टि.नि., कोटा |
| *उपाध्यक्ष* | श्री. के. वी. सुब्रमण्यम् | कार्य. अधी, व.म.का.अ. सिकन्दराबाद |
| | श्री. के. राजेन्द्र बाबू | प्र.लि., पी. ई. आर. लोको |
| | श्री. आर. एन. त्रिपाठी | प्र.लि., डी.सी.पी.ओ., सी. एन.डब्ल्यू. |
| | श्री. ओ. पी. विश्वकर्मा | एल.एस., मालदा |
| *महासचिव* | श्री. के. स्वयंभुवु | एस.एस.ई.,सी.डब्ल्यू.एम.आर.वाई.पी.एस. |
| *सह.महासचिव* | श्री. ए. के. शुक्ल | कार्यालय अधीक्षक, रे.सु.बल., लखनऊ |
| | श्री. जी. सी. टकसाळी | कार्या.अधी., रे.सु.बल., जयपुर |
| | श्री. पी. के. अग्रवाल | लेखा कार्यालय, इलाहाबाद |
| | श्री. ए. के. झालटे | ग्रेड-1, परेल, म.रे. |
| *वित्त सचिव* | श्री. एम. एम. देशपांडे | डीजल मैकेनिक, परेल, म. रे. |
| *संगठन सचिव* | श्री. के. एन. शर्मा | कार्या.अधी., का.वि., लखनऊ |
| | श्री. के. नारायणन | कार्या.अधी., म. रे. प्र., पालघाट |
| *विशेष आमंत्रित* | श्री. पी. वी. एल. एन. शर्मा | विजयवाडा |
| | श्री. अजित चक्रवर्ती | कोलकाता |
| | श्री. एन. वी. वी. रमण | चेन्नई |
| | श्री. सोमेश्वर राव | वाराणसी |
| | श्री. चिन्मय शुक्ल | लखनऊ |